PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 9 1 1 6

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा ।

PRAKRIT

PAPER – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

1. The earlier form of the Prakrit word devehi is found in the Veda as

(1) devāya (2) devāt

(3) devasya (4) devebhiḥ

2. Words ending with consonants are not used in this language

(1) Prakrit (2) Sanskrit

(3) Vedic (4) Old Hindi

3. The Prakrit used in the drama of As′vaghoṣa

(1) Third phase (2) First phase

(3) Second phase (4) Pre-vedic

4. The language of the inscription of As′oka is considered to be of the period of the development of the Prakrit language

(1) Third phase (2) Second phase

(3) Modern age (4) First phase

5. This is known to be the Prakrit of the third phase of the development of the Prakrit language

(1) Ardhamāgadhī Languages

(2) Inscriptional Prakrit

(3) Prakrit of lyrics and epics

(4) Prakrit of the period of New Indo Aryan Languages

प्राकृत

प्रश्न-पत्र – III

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं । **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. प्राकृत शब्द 'देवेहि' का प्राचीन रूप वेद के इस शब्द में उपलब्ध है :

(1) देवाय (2) देवात्

(3) देवस्य (4) देवेभि:

2. इस भाषा में व्यंजनान्त शब्दों का प्रयोग नहीं होता है :

(1) प्राकृत (2) संस्कृत

(3) वैदिक (4) पुरानी हिन्दी

3. अश्वघोष के नाटकों में प्रयुक्त प्राकृत इस युग की है

(1) तृतीय युगीन (2) प्रथम युगीन

(3) द्वितीय युगीन (4) पूर्ववैदिक युग

4. अशोक के अभिलेखों की भाषा प्राकृत भाषा के विकासक्रम के इस युग की है

(1) तृतीय युग (2) द्वितीय युग

(3) आधुनिक युग (4) प्रथम युग

5. यह प्राकृत प्राकृतभाषा के विकासक्रम के तृतीय युग की है

(1) अर्धमागधी भाषा

(2) अभिलेखीय प्राकृत

(3) गीतिकाव्य एवं महाकाव्यों की प्राकृत

(4) आधुनिक भारतीय आर्य भाषा कालीन प्राकृत

6. This is known to be the Middle Indo-Aryan Language

(1) Gujarati (2) Vedic

(3) Prakrit (4) Sanskrit

7. The Geographical area of Māgadhī is known to be of

(1) North-Western India (2) Western India

(3) Eastern India (4) Southern India

8. The earliest text composed in Ardhamāgadhi Prakrit is

(1) Kappasuyaṃ (2) Paṇhavāgaraṇaṃ

(3) Nandīsūtra (4) Dasaveyāliyaṃ

9. The earliest text composed in Apabhraṃsa

(1) Paumacariu (2) Jambucariu

(3) Ṇāyakumāracariu (4) Sudaṃsaṇacariu

10. Paiśācī Prakrit belongs to this era of the development of the Prakrit language

(1) First stage (2) Third stage

(3) Modern stage (4) Second stage

11. Kṛ Root specially changes into this form of verb in the texts of Śaurasenī Prakrit

(1) Kuṇai (2) Karai

(3) Karoti (4) Kuvvadi

12. This is the main feature of Mahārāṣṭri Prakrit

(1) Changing of 'Sa' 'Ṣa' into 'Śa'

(2) Changing of intervolic 'Ka' into 'ga'

(3) Changing of 'ta' into 'da'

(4) Changing of intervolic 'Ka' into 'a'

6. इसे 'मध्य भारतीय आर्यभाषा' के रूप में जाना जाता है

(1) गुजराती (2) वैदिक

(3) प्राकृत (4) संस्कृत

7. मागधी का भौगोलिक स्थान यह जाना जाता है

(1) उत्तर-पश्चिमी भारत (2) पश्चिमी भारत

(3) पूर्वी भारत (4) दक्षिण भारत

8. अर्धमागधी प्राकृत में रचित प्राचीनतम ग्रन्थ है

(1) कप्पसुयं (2) पण्हवागरणं

(3) नन्दीसूत्र (4) दसवेयालियं

9. अपभ्रंश में रचित प्राचीनतम ग्रन्थ है

(1) पउमचरिउ (2) जंबुचरिउ

(3) णायकुमारचरिउ (4) सुदंसणचरिउ

10. पैशाची प्राकृत प्राकृतभाषा के विकासक्रम में इस युग की भाषा है

(1) प्रथम युगीन (2) तृतीय युगीन

(3) आधुनिक युग (4) द्वितीय युगीन

11. शौरसेनी प्राकृत के ग्रन्थों में 'कृ' धातु विशेष रूप से इस क्रिया के रूप में परिवर्तित हो जाती है

(1) कुणइ (2) करइ

(3) करोति (4) कुव्वदि

12. महाराष्ट्री प्राकृत का यह प्रमुख लक्षण है

(1) स, ष के स्थान पर 'श' होना ।

(2) स्वरमध्यवर्ती 'क' के स्थान पर 'ग' होना ।

(3) 'त' के स्थान पर 'द' होना ।

(4) स्वरमध्यवर्ती 'क' के स्थान पर 'अ' होना ।

13. This statement is correct

(1) 'r' changes into 'l' in Saurasenī Prakrit

(2) The language of Ācārāṅga is Ardhamāgadhī

(3) Śākāri is the subdialect of Mahārāṣṭrī

(4) Māgadhī Prakrit belongs to South India.

14. Śaurasenī Prakrit belongs to this region

(1) Mathura Janapad (2) Magadh Janapad

(3) Kashi-Kaushal region (4) Peshawar

15. 'Karaḥ' changes into Māgadhī Prakrit as

(1) Karo (2) Kare

(3) Karu (4) Kale

16. Correct pair out of the following pairs is

(1) Kammapayadī – Śivaśarmā (2) Sammaisuttaṃ – Māilla Dhavala

(3) Bṛhannayacakra – Siddhasena (4) Mūlācāra – Kārtikeya

17. This text, written by Vasunandi is

(1) Śrāvakaprajñapti (2) Sammaisuttaṁ

(3) Gommaṭasāra (4) Uvāsakajjhayaṇaṁ

18. The subject matter of the 'Praśnavyākaraṇa'

(1) Puṇya – Pāpa (2) Āsrava – Saṁvara

(3) Bandha – Mokṣa (4) Jīva – Ajīva

19. Name of the commentary of 'Bhagavatī Ārādhanā' is

(1) Parikarma ṭīkā (2) Jayadhavalā ṭīkā

(3) Vijayodayā ṭīkā (4) Sukhabodhā ṭīkā

13. यह कथन सत्य है

(1) 'र' के स्थान पर 'ल' शौरसेनी प्राकृत में परिवर्तित होता है ।

(2) आचारांग की भाषा अर्धमागधी है ।

(3) शाकारी महाराष्ट्री की उपबोली है ।

(4) मागधी दक्षिण भारत की प्राकृत है ।

14. शौरसेनी प्राकृत इस क्षेत्र की भाषा मानी जाती है

(1) मथुरा जनपद (2) मगध जनपद

(3) काशी-कौशल प्रदेश (4) पेशावर

15. मागधी प्राकृत में 'कर:' का परिवर्तन यह होता है

(1) करो (2) करे

(3) करू (4) कले

16. निम्नांकित युग्मों में से सही युग्म है :

(1) कम्मपयडी – शिवशर्मा

(2) सम्मइसुत्तं – माइल्ल धवल

(3) बृहन्नयचक्र – सिद्धसेन

(4) मूलाचार – कार्तिकेय

17. वसुनन्दि के द्वारा यह ग्रन्थ रचित है

(1) श्रावकप्रज्ञप्ति (2) सम्मइसुत्तं

(3) गोम्मटसार (4) उवासकज्झयणं

18. 'प्रश्नव्याकरण' की विषयवस्तु इस पर आधारित है

(1) पुण्य-पाप (2) आस्रव-संवर

(3) बन्ध-मोक्ष (4) जीव-अजीव

19. 'भगवती आराधना' की टीका का नाम है

(1) परिकर्म टीका (2) जयधवला टीका

(3) विजयोदया टीका (4) सुखबोधा टीका

20. 'Deviṃdathava' is included into this group of texts

(1) Mūlasūtra (2) Aṅga

(3) Upāṅga (4) Paiṇṇāiṁ

21. Out of the following four texts, the Śaurasenī Āgamās are correctly shown as

(A) Kasāyapāhuḍa (B) Ṣaṭkhaṇḍāgama

(C) Samayasāra (D) Vipākasūtra

Codes :

(1) (A), (B) and (C) (2) (A) and (D)

(3) (C) and (D) (4) (D) and (B)

22. The name of the Sixth Āgama is

(1) Sūtrakṛtāṅga (2) Ṇāyādhammakahāo

(3) Panhavagaraṇaṁ (4) Vipākasūtra

23. The hero of the epic Gauḍavaho is

(1) Kumārapāla (2) King Sātavāhana

(3) Śrīvarmarāja (4) Yaśovarmā

24. This is included in Prakrit Epics

(1) Vasudevahiṇḍī (2) Līlavaīkahā

(3) Setubandha (4) Siriciṃdhakavva

25. Identify the correct pair :

(1) Pravarasena – Setubandha and Gaudavahō

(2) Rājaśekhara – Karpuramañjari and Ānandsundari

(3) Rāmapānivāda – Kaṃsavaho and Uṣāniruddha

(4) Uddyotanasūri – Kuvalayamālā and Līlāvaī

26. A satiric Prakrit work is this

(1) Mṛcchakaṭika (2) Dhūrtākhyāna

(3) Dharmaparīkṣā (4) Rayaṇavālakahā

20. 'देविंदथव' ग्रन्थ इस श्रेणी के ग्रन्थ-समूह में सम्मिलित है

(1) मूलसूत्र (2) अंग

(3) उपांग (4) पइण्णाइं

21. निम्नांकित चार ग्रन्थों में से शौरसेनी आगम ग्रन्थ इस विकल्प के सही हैं :

(A) कसायपाहुड (B) षट्खण्डागम

(C) समयसार (D) विपाकसूत्र

कूट :

(1) (A), (B) एवं (C) (2) (A) एवं (D)

(3) (C) एवं (D) (4) (D) एवं (B)

22. छठे अंग आगम ग्रन्थ का नाम है

(1) सूत्रकृतांग (2) णायाधम्मकहाओ

(3) पण्हवागरणं (4) विपाकसूत्र

23. गउडवहो महाकाव्य का नायक है

(1) कुमारपाल (2) राजा सातवाहन

(3) श्रीवर्माराज (4) यशोवर्मा

24. प्राकृत महाकाव्यों में यह ग्रन्थ सम्मिलित है

(1) वसुदेवहिण्डी (2) लीलावईकहा

(3) सेतुबन्ध (4) सिरिचिंधकव्व

25. सही युग्म पहचानिये :

(1) प्रवरसेन – सेतुबन्ध एवं गउडवहो

(2) राजशेखर – कर्पूरमंजरी एवं आनन्दसुन्दरी

(3) रामपाणिवाद – कंसवहो एवं उषानिरुद्ध

(4) उद्द्योतनसूरि – कुवलयमाला एवं लीलावई

26. प्राकृत की व्यंग्य-प्रधान रचना यह है :

(1) मृच्छकटिक (2) धूर्ताख्यान

(3) धर्मपरीक्षा (4) रयणवालकहा

27. This statement is not true regarding Cauppana-Mahāpurisa-Cariyaṃ :

(1) Written by Śīlāṅkācārya

(2) Written in 9th Century CE

(3) Much use of the Apabhraṁśa Language.

(4) Description of the biography of 54 Śalākā Puruṣas.

28. This is not treated as a Prakrit narrative text :

(1) Soricariyaṁ (2) Dhūrtākhyāna

(3) Kumārapālapratibodha (4) Upadeśamālā

29. The name of author of Risidattācariyaṃ is this :

(1) Devabhadragaṇi (2) Guṇapālamuni

(3) Jinacandra (4) Śubhacandra

30. The period of Lakṣmaṇagaṇi is this :

(1) 10th Century CE (2) 11th Century CE

(3) 12th Century CE (4) 13th Century CE

31. This pair is not correct :

(1) Mahāvīracariyaṃ – Nemicandrasūri

(2) Taraṅgavaī – Pādaliptasūri

(3) Bhṛṅgasandeśa – Rāmpāṇivāda

(4) Kahārayaṇakoṣa – Guṇachandra

32. This text is not written by Nemicandrasūri :

(1) Ākhyānamaṇikośa (2) Sukhabodhā ṭīkā

(3) Mahāvīracariyaṃ (4) Jaṁbucariyam

33. This statement is not true with reference to Karpūramañjarī :

(1) Use of Prakrit Language (2) Use of 'Praveśaka, Character

(3) Written by Rājaśekhara (4) Divided into 'Javanikās'

27. चउप्पन-महापुरिस-चरियं के विषय में यह कथन सत्य नहीं है :

(1) यह शीलंकाचार्य द्वारा रचित है ।

(2) यह 9वीं शताब्दी ईस्वी में रचित है ।

(3) इसमें अपभ्रंश भाषा का सर्वाधिक प्रयोग है ।

(4) इसमें 54 शलाका पुरुषों का जीवनवृत्त का वर्णन है ।

28. यह ग्रन्थ प्राकृत कथा ग्रन्थ के रूप में नहीं माना जाता है :

(1) सोरिचरियं (2) धूर्त्ताख्यान

(3) कुमारपालप्रतिबोध (4) उपदेशमाला

29. रिसिदत्ताचरियं के लेखक का नाम यह है :

(1) देवभद्रगणि (2) गुणपालमुनि

(3) जिनचन्द्र (4) शुभचन्द्र

30. लक्ष्मणगणि का समय यह है :

(1) 10वीं शताब्दी ईस्वी (2) 11वीं शताब्दी ईस्वी

(3) 12वीं शताब्दी ईस्वी (4) 13वीं शताब्दी ईस्वी

31. यह युग्म सही नहीं है :

(1) महावीरचरियं – नेमिचन्द्रसूरि

(2) तरंगवई – पादलिप्तसूरि

(3) भृंगसंदेश – रामपाणिवाद

(4) कहारयणकोष – गुणचन्द्र

32. यह ग्रन्थ नेमिचन्द्रसूरि द्वारा रचित नहीं है :

(1) आख्यानमणिकोश (2) सुखबोधा टीका

(3) महावीरचरियं (4) जंबुचरियं

33. कर्पूरमञ्जरी के संदर्भ में यह कथन सही नहीं है :

(1) प्राकृत भाषा का प्रयोग (2) 'प्रवेशक' पात्र का प्रयोग

(3) राजशेखर द्वारा रचित (4) जवनिकाओं में विभाजित

34. Read the name of the following text and identify the correct code answer of Saṭṭaka texts :

(i) Karpūramañjarī (ii) Rambhāmañjarī

(iii) Narmadāsundarī (iv) Ānandasundarī

(v) Candralekhā (vi) Uṣāniruddha

Codes :

(1) (i) + (ii) + (vi) (2) (ii) + (iv) + (vi)

(3) (iii) + (iv) + (v) (4) (ii) + (iv) + (v)

35. Apabhanśa Language is used in this Drāmā :

(1) Abhijñānaśākuntalam (2) Mālavikāgnimitram

(3) Vikramorvaśīyam (4) Svapnavasavadattam

36. The author of Śṛṇgāramañjarī is

(1) Rajshekhar (2) Vishveshvar

(3) Naychandra (4) Ghanashyama

37. Naychandra has written this Saṭṭaka

(1) Rambhāmañjarī (2) Ānandasundarī

(3) Karpūramañjarī (4) Śṛngāramanjarī

38. Hāthīguṁphā inscription's script is

(1) Oriyā (2) Kharoṣṭhī

(3) Kuṭila (4) Brāhmī

39. The number of lines of Kharvela Inscription is

(1) Ten (2) Twenty

(3) Sixteen (4) Seventeen

40. He was 'Aṃtiyoka' of Girnar Inscription

(1) Kushan-King (2) Yawanraj

(3) Keralputra (4) Satiyaputra

34. अधोलिखित ग्रन्थों के नाम पढ़िए और कूट में से सट्टक ग्रन्थों के सही कूट-उत्तर को पहचानिए :

(i) कर्पूरमञ्जरी (ii) रम्भामंजरी

(iii) नर्मदासुन्दरी (iv) आनन्दसुन्दरी

(v) चन्द्रलेखा (vi) उषानिरुद्ध

कूट :

(1) (i) + (ii) + (vi) (2) (ii) + (iv) + (vi)

(3) (iii) + (iv) + (v) (4) (ii) + (iv) + (v)

35. इस नाटक में अपभ्रंश भाषा का प्रयोग हुआ है

(1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2) मालविकाग्निमित्रम्

(3) विक्रमोर्वशीयम् (4) स्वप्नवास्वदत्तम

36. शृंगारमंजरी के लेखक हैं

(1) राजशेखर (2) विश्वेश्वर

(3) नयचन्द्र (4) घनश्याम

37. यह सट्टक नयचन्द्र की रचना है :

(1) रम्भामंजरी (2) आनन्दसुन्दरी

(3) कर्पूरमंजरी (4) शृंगारमंजरी

38. हाथीगुम्फा शिलालेख की लिपि यह है

(1) उड़िया (2) खरोष्ठी

(3) कुटिल (4) ब्राह्मी

39. खारवेल शिलालेख की पंक्तियों की संख्या है

(1) दस (2) बीस

(3) सोलह (4) सत्रह

40. गिरनार शिलालेख में वर्णित 'अंतियोक' यह था

(1) कुशान-राजा (2) यवनराज

(3) केरलपुत्र (4) सतियपुत्र

41. The meaning of the word "Samāja" (समाज) is

(1) Caste (2) Tradition

(3) Religious sect (4) Religious festival

42. 'Kanhaveṇaṁ gatāya ca senāya vitāsitaṁ musikanagaraṁ', this line is quoted in this inscription

(1) Baḍalī inscription (2) Giranāra inscription

(3) Ghaṭiyāla inscription (4) Hāthīguṁphā inscription

43. "Samavāyo eva Sādhu" is found in

(1) Hāthīguṁphā inscription (2) First Girnar inscription

(3) Fourth Girnar inscription (4) Twelfth Girnar inscription

44. The script of Girnar inscriptions is

(1) Kharoṣṭhī (2) Brāhmī

(3) Gujarāti (4) Shārdā

45. In which inscription 'Praṣaṁḍa' word is found ?

(1) Hāthīguṁphā inscription (2) First Girnar inscription

(3) Third Girnar inscription (4) Seventh Girnar inscription

46. Which one is not the correct pair in the following pairs ?

(1) Virahāṅka – Vṛttajātisumccaya (2) Nanditāḍhya – Gāhālakkhaṇa

(3) Hemachandra – Rayaṇāvalī (4) Dhanapāla – Rambhāmañjarī

47. This is not a Lexicon in the Prakrit language

(1) Pāiyasaddamahaṇṇavo (2) Pāiyalacchīnāmamāla

(3) Prākṛtasarvasva (4) Rayaṇāvalī

48. The number of chapters in the Prākṛta Paiṅgalam is

(1) 4 (2) 5

(3) 2 (4) 6

41. "समाज" शब्द का यह अर्थ है

(1) जाति (2) परम्परा

(3) धार्मिक सम्प्रदाय (4) धार्मिक उत्सव

42. 'कन्हवेणं गताय च सेनाय वितासितं मुसिकनगरं' यह पंक्ति इस शिलालेख में उद्धृत है :

(1) बडली शिलालेख (2) गिरनार शिलालेख

(3) घटियाल शिलालेख (4) हाथीगुम्फा शिलालेख

43. "समवायो एव साधु" पद उपलब्ध है

(1) हाथीगुम्फा शिलालेख (2) प्रथम गिरनार शिलालेख

(3) चतुर्थ गिरनार शिलालेख (4) द्वादश गिरनार शिलालेख

44. गिरनार शिलालेखों की लिपि है

(1) खरोष्ठी (2) ब्राह्मी

(3) गुजराती (4) शारदा

45. 'प्रषंड' (पासंड) शब्द इस शिलालेख में उपलब्ध है

(1) हाथीगुम्फा शिलालेख (2) प्रथम गिरनार शिलालेख

(3) तृतीय गिरनार शिलालेख (4) सातवाँ गिरनार शिलालेख

46. निम्नलिखित युग्मों में से कौन सा युग्म सही नहीं है ?

(1) विरहांक – वृत्तजातिसमुच्चय (2) नन्दिताढ्य – गाहालक्खण

(3) हेमचन्द्र – रयणावली (4) धनपाल – रम्भामंजरी

47. यह प्राकृतभाषा का कोशग्रन्थ नहीं है

(1) पाइयसद्दमहण्णवो (2) पाइयलच्छीनाममाला

(3) प्राकृतसर्वस्व (4) रयणावली

48. प्राकृत पैंगलम् में परिच्छेदों की संख्या यह है

(1) 4 (2) 5

(3) 2 (4) 6

49. The Pāiyalacchīnāmamāla is written in this century

(1) Twelfth (2) Thirteenth

(3) Tenth (4) Fifteenth

50. The Alaṁkāradappaṇa text is composed in this century

(1) Twelfth (2) Tenth

(3) Fourteenth (4) Thirteenth

51. The number of the 'Gāthās' in Chandakośa is

(1) 64 (2) 92

(3) 84 (4) 74

52. Kavidarpaṇa is authored by

(1) Devasena (2) Nanditāḍhya

(3) Virahāṅka (4) Unknown poet

53. In declension this case-ending is used for dative plural also

(1) Genitive plural (2) Ablative plural

(3) Locative plural (4) Accusative plural

54. 'Bharata' is changed into Prakrit as

(1) Bharaa (2) Bharata

(3) Bharaha (4) Bharatha

55. Au is changed into Prakrit as

(1) ṛ (2) e

(3) o (4) i

56. This is an example of elision of the final consonant

(1) ṇāho (2) savvado

(3) jāva (4) rāulaṃ

49. पाइयलच्छीनाममाला इस शती में लिखी गयी है

(1) 12वीं (2) 13वीं

(3) 10वीं (4) 15वीं

50. अलङ्कारदप्पण ग्रन्थ इस शताब्दी में लिखा गया है

(1) 12वीं ई. (2) 10वीं ई.

(3) 14वीं ई. (4) 13वीं ई.

51. छन्दकोश में गाथाओं की संख्या है

(1) 64 (2) 92

(3) 84 (4) 74

52. कविदर्पण इनके द्वारा लिखा गया है

(1) देवसेन (2) नन्दिताढ्य

(3) विरहांक (4) अज्ञात कवि

53. शब्दरूप में चतुर्थी बहुवचन के अर्थ में भी इस विभक्ति का प्रयोग होता है

(1) षष्ठी बहुवचन (2) पंचमी बहुवचन

(3) सप्तमी बहुवचन (4) द्वितीया बहुवचन

54. 'भरत' शब्द का प्राकृत में इस प्रकार परिवर्तन होता है

(1) भरअ (2) भरत

(3) भरह (4) भरथ

55. प्राकृत में 'औ' का परिवर्तन इस प्रकार होता है

(1) ऋ (2) ए

(3) ओ (4) इ

56. यह अन्त्य व्यंजन का लोप होने का उदाहरण है

(1) णाहो (2) सव्वदो

(3) जाव (4) राउलं

57. Metathesis occurs in this example

(1) saddo (2) vāṇārasī

(3) āriya (4) kālao

58. 'Yaśruti' occurs in this position of a word

(1) Initial 'a' (2) Consonantal ending

(3) Loss of intervocalic consonant (4) In place of ṭ

59. This is an example of qualitative change

(1) Samiddhī (2) Sahalaṃ

(3) Rayadaṃ (4) Sejjā

60. Identify the correct pair :

(1) Rambhāmaṅjarī – 10^{th} Century CE

(2) Ānandasundarī – 14^{th} Century CE

(3) Candralekhā – 17^{th} Century CE

(4) Karpūramaṅjarī – 18^{th} Century CE

61. This subject is not dealt with in Dravyasaṅgraha :

(1) Five-Astikāyas (2) Six-Dravyas

(3) Five-Parameṣṭhī (4) Six-Leśyās

62. In Uttarādhyayana Sūtra

'Rāgaddosādao tivvā, nehapāsā bhayaṅkarā'

statement was given by

(1) Devendra (2) Rājarṣi Nami

(3) Gautama Svāmī (4) Keśīkumāra

63. 'Je guṇe se mūlaṭṭhāṇe

je mūlaṭṭhāṇe se guṇe'

This statement of Ācārāṅga is quoted from this chapter

(1) Vimukti (2) Logavijaya

(3) Satthapariṇṇā (4) Bhāvanā

57. वर्ण व्यत्यय का यह उदाहरण है

(1) सद्दो (2) वाणारसी

(3) आरिय (4) कालओ

58. पद की इस स्थिति में 'य-श्रुति' होती है

(1) आदिस्थित 'अ' (2) अन्त्य व्यंजन

(3) स्वरमध्यवर्ती व्यंजन के लोप होने पर (4) ट के स्थान पर

59. यह गुणात्मक परिवर्तन का उदाहरण है

(1) समिद्धी (2) सहलं

(3) रयदं (4) सेज्जा

60. सही युग्म पहचानिये :

(1) रम्भामंजरी – 10वीं शताब्दी ईस्वी (2) आनन्दसुन्दरी – 14वीं शताब्दी ईस्वी

(3) चन्द्रलेखा – 17वीं शताब्दी ईस्वी (4) कर्पूरमंजरी – 18वीं शताब्दी ईस्वी

61. द्रव्यसंग्रह में इस विषय का वर्णन नहीं है

(1) पंच – अस्तिकाय (2) षट् – द्रव्य

(3) पंच – परमेष्ठी (4) षट् – लेश्या

62. उत्तराध्ययन सूत्र में

'रागद्दोसादओ तिव्वा, नेहपासा भयंकरा'

यह कथन इन्होंने कहा :

(1) देवेन्द्र (2) राजर्षि नमि

(3) गौतम स्वामी (4) केशीकुमार

63. 'जे गुणे से मूलट्ठाणे

जे मूलट्ठाणे से गुणे ।'

आचारांग का यह कथन इस अध्याय से उद्धृत है :

(1) विमुक्ति (2) लोगविजय

(3) सत्थपरिण्णा (4) भावना

64. The number of subchapters of Satthapariṇṇā of Ācārāṅga is

(1) 7 (2) 9

(3) 11 (4) 13

65. This group belongs to Ardhamāgadhī Āgamās :

(1) Samayasāra – Pravacanasāra – Niyamasāra

(2) Setubandha – Karpūramañjarī – Mṛcchakatikaṃ

(3) Ācārāṅga – Daśavaikālika – Uttarādhyayana

(4) Paumacariu – Ṇāyakumāracariu – Karakaṇḍacariu

66. "Uppāyaṭṭhiibhaṅgā handi daviyalakkhaṇaṃ eyaṃ"

The above part of the verse is quoted from this kāṇḍa of Sammai suttaṃ :

(1) Aṇegantakaṇḍayaṃ (2) Jīvakaṇḍḍayaṃ

(3) Ṇayakaṇḍayaṃ (4) Cārittakaṇḍḍayaṃ

67. The first chapter of Pravacanasāra is known as

(1) Dharmādhikāra (2) Jñātādhikāra

(3) Jñanādhikāra (4) Jñeyādhikāra

68. 'Pasiyau mahu devi maṇohirāma' refers to the prayer of this godess in Ṇāyakumāracariu

(1) Lakṣmī (2) Sarasvatī

(3) Pārvatī (4) Durgā

69. These texts are written by Pushpadanta

(1) Ṇāyakumāracariu – Paumacariu – Samarārāsu

(2) Ṇāyakumāracariu – Yaśodharacarita – Śrīpālakathā

(3) Ṇāyakumāracariu – Karakaṇḍacariu – Pāhuḍadohā

(4) Ṇāyakumāracariu – Mahāpurāṇa – Jasaharacariu

64. आचारांग के सत्थपरिण्णा के उद्देशकों की संख्या है :

(1) 7 (2) 9

(3) 11 (4) 13

65. यह अर्धमागधी आगमों का वर्ग है :

(1) समयसार – प्रवचनसार – नियमसार (2) सेतुबन्ध – कर्पूरमंजरी – मृच्छकटिकम्

(3) आचारांग – दशवैकालिक – उत्तराध्ययन (4) पउमचरिउ – णायकुमारचरिउ – करकंडचरिउ

66. 'उप्पायट्ठिइभंगा हंदि दवियलक्खणं एयं'

उपर्युक्त गाथांश सम्मइ सुत्तं के इस काण्ड से उद्धृत है :

(1) अणेगंतकंडयं (2) जीवकंडयं

(3) णयकंडयं (4) चारित्तकंडयं

67. प्रवचनसार के प्रथम अधिकार को यह कहते हैं :

(1) धर्माधिकार (2) ज्ञाताधिकार

(3) ज्ञानाधिकार (4) ज्ञेयाधिकार

68. णायकुमारचरिउ में 'पसियउ महु देवि मणोहिराम' के द्वारा इस देवी की प्रार्थना की गई है :

(1) लक्ष्मी (2) सरस्वती

(3) पार्वती (4) दुर्गा

69. पुष्पदन्त द्वारा रचित ग्रन्थ ये हैं :

(1) णायकुमारचरिउ – पउमचरिउ – समरारासु

(2) णायकुमारचरिउ – यशोधरचरित – श्रीपालकथा

(3) णायकुमारचरिउ – करकंडचरिउ – पाहुडदोहा

(4) णायकुमारचरिउ – महापुराण – जसहरचरिउ

70. Kaḍavaka metre in padānta – yamaka – style is used in this text

(1) Karpūramañjarī (2) Kuvalayamālākahā

(3) Ṇāyakumāracariu (4) Kaṃsavaho

71. One of the major incident depicted in Setubandha is

(1) Kaṃsavadha (2) Rāvaṇavadha

(3) Gauḍavadha (4) Dhūrtavadha

72. The hero of Mṛcchakatikam is

(1) Śakāra (2) Vīraka

(3) Cārudatta (4) Candanaka

73. 'So Saṭṭao tti bhaṇai

dūraṃ jo ṇāḍiāim aṇuharai'

This statement is written by

(1) Rajshekhar (2) Ghanashyam

(3) Nayachanda (4) Vishveshwar

74. 'Ṇa kassa maṇamohaṇaṃ

Sasimuhīa hindolaṇaṃ

In the above quote '<u>Sasimuhīa</u>' term is used for

(1) Kuvalayamālā (2) Rambhāmañjarī

(3) Karpūramañjarī (4) Candralekhā

75. The writer of Kuvalayamālakahā is

(1) Pravarasena (2) Uddyotanasūri

(3) Rājaśekhara (4) Puṣpadanta

70. पदान्त-यमक शैली में कड़वक छन्द का प्रयोग इस रचना में हुआ है :

(1) कर्पूरमंजरी (2) कुवलयमालाकहा

(3) णायकुमारचरिउ (4) कंसवहो

71. सेतुबन्ध में वर्णित एक प्रमुख घटना है

(1) कंसवध (2) रावणवध

(3) गौडवध (4) धूर्तवध

72. मृच्छकटिकं का नायक है :

(1) शकार (2) वीरक

(3) चारुदत्त (4) चन्दनक

73. 'सो सट्टओ त्ति भणइ

दूरं जो णाडिआइं अणुहरइ'

यह इसने लिखा है :

(1) राजशेखर (2) घनश्याम

(3) नयचंद (4) विश्वेश्वर

74. 'ण कस्स मणमोहणं

ससिमुहीअ हिन्दोलणं'

उपर्युक्त उद्धरण में 'ससिमुहीअ' पद का प्रयोग इसके लिये हुआ है :

(1) कुवलयमाला (2) रंभामंजरी

(3) कर्पूरमंजरी (4) चंद्रलेखा

75. कुवलयमालाकहा के लेखक हैं :

(1) प्रवरसेन (2) उद्द्योतनसूरि

(3) राजशेखर (4) पुष्पदंत

Space For Rough Work